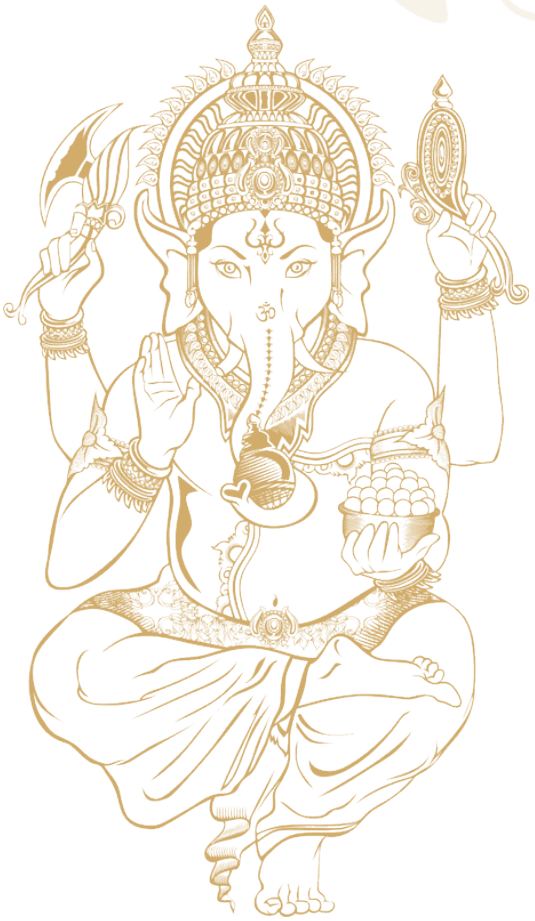

X

11 Jan 2026

01:20 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120900002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/01/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**13:20:00 घंटे**
इष्ट	15:11:12 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:58:52 घंटे
वेलान्तर	-00:07:50 घंटे
साम्पातिक काल	20:22:13 घंटे
सूर्योदय	07:15:31 घंटे
सूर्यास्त	17:42:50 घंटे
दिनमान	10:27:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:52:04 धनु
लग्न के अंश	23:28:48 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सुकर्मा
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	23:28:48	431:58:31	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
सूर्य			धनु	26:52:04	01:01:08	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			तुला	04:14:16	11:59:35	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	धनु	26:24:51	00:46:23	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	20:30:35	01:35:30	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	25:45:20	00:08:06	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	27:58:32	01:15:28	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	सम राशि
शनि			मीन	02:37:36	00:04:24	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:06:04	00:01:08	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:06:04	00:01:08	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:28:50	00:01:12	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:26:30	00:01:05	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:48:53	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मक	09:02:07	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

लग्न-चलित

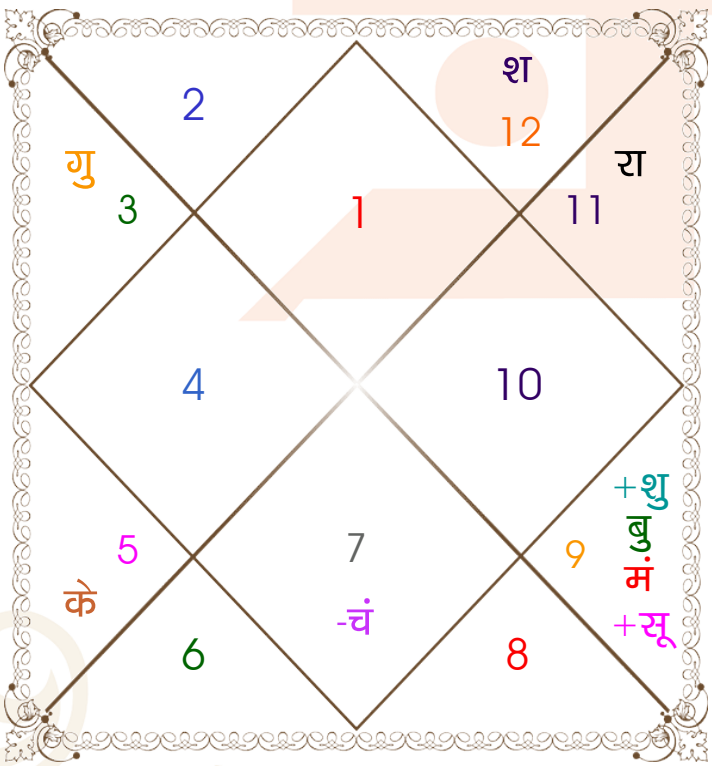

चन्द्र कुंडली

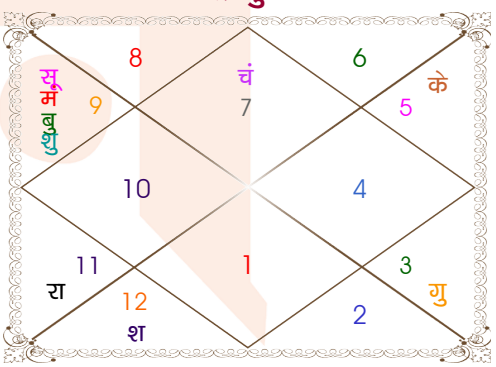

नवमांश कुंडली

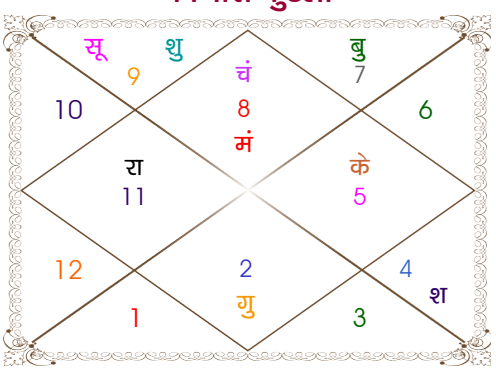

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 3 मास 9 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
11/01/2026		22/04/2027		21/04/2045		21/04/2061		21/04/2080	
22/04/2027		21/04/2045		21/04/2061		21/04/2080		21/04/2097	
	00/00/0000	राहु	02/01/2030	गुरु	09/06/2047	शनि	24/04/2064	बुध	18/09/2082
	00/00/0000	गुरु	28/05/2032	शनि	21/12/2049	बुध	02/01/2067	केतु	15/09/2083
	00/00/0000	शनि	04/04/2035	बुध	28/03/2052	केतु	11/02/2068	शुक्र	16/07/2086
	00/00/0000	बुध	21/10/2037	केतु	04/03/2053	शुक्र	13/04/2071	सूर्य	22/05/2087
	00/00/0000	केतु	08/11/2038	शुक्र	03/11/2055	सूर्य	25/03/2072	चंद्र	21/10/2088
	11/01/2026	शुक्र	08/11/2041	सूर्य	21/08/2056	चंद्र	24/10/2073	मंगल	18/10/2089
शुक्र	16/05/2026	सूर्य	03/10/2042	चंद्र	21/12/2057	मंगल	03/12/2074	राहु	06/05/2092
सूर्य	21/09/2026	चंद्र	03/04/2044	मंगल	27/11/2058	राहु	09/10/2077	गुरु	12/08/2094
चंद्र	22/04/2027	मंगल	21/04/2045	राहु	21/04/2061	गुरु	21/04/2080	शनि	21/04/2097

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/04/2097		22/04/2104		22/04/2124		23/04/2130		22/04/2140	
22/04/2104		22/04/2124		23/04/2130		22/04/2140		00/00/0000	
केतु	17/09/2097	शुक्र	23/08/2107	सूर्य	10/08/2124	चंद्र	21/02/2131	मंगल	18/09/2140
शुक्र	18/11/2098	सूर्य	22/08/2108	चंद्र	08/02/2125	मंगल	22/09/2131	राहु	07/10/2141
सूर्य	25/03/2099	चंद्र	23/04/2110	मंगल	16/06/2125	राहु	23/03/2133	गुरु	13/09/2142
चंद्र	24/10/2099	मंगल	23/06/2111	राहु	11/05/2126	गुरु	23/07/2134	शनि	22/10/2143
मंगल	23/03/2100	राहु	22/06/2114	गुरु	27/02/2127	शनि	21/02/2136	बुध	19/10/2144
राहु	10/04/2101	गुरु	20/02/2117	शनि	09/02/2128	बुध	23/07/2137	केतु	17/03/2145
गुरु	17/03/2102	शनि	22/04/2120	बुध	15/12/2128	केतु	21/02/2138	शुक्र	12/01/2146
शनि	26/04/2103	बुध	21/02/2123	केतु	22/04/2129	शुक्र	22/10/2139		00/00/0000
बुध	22/04/2104	केतु	22/04/2124	शुक्र	23/04/2130	सूर्य	22/04/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 3 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिष गणना के अनुसार आपका जन्म उस समय हुआ जबकि मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। आपका जन्म भरणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक राशि के नवमांश तथा धनु राशि के द्रेष्काण में हुआ था। गणना के संकेतों से आपके जीवन का वास्तविक चित्र स्पष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन के कार्यकलापों का निष्पादन अपनी योजना के पक्ष में पूर्ण आश्वस्त होकर समयानुकूल कर सके तो आप निश्चित रूप से अपने उद्देश्य को सफल कर सकेंगे।

सामान्यतः स्पष्ट रूप से यह अभिप्राय प्रकट हो रहा है कि आप दीर्घजीवी होकर सुख पूर्वक स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप निरोग एवं पश्चाताप रहित जीवन बिताएंगे। बृश्चिक नवमांश के प्रभाव आपके लिए सुरक्षा कवच के समान है। यह संभव है कि आप अपने जीवन की न्यूनता को त्याग देंगे। यदि ऐसा न हो सका तो आप दैन्यता और शारीरिक रोग के शिकार हो जाएंगे। यह आवश्यक नही है कि आपको संकट के आने की कोई पूर्व सूचना विदित हो सके। आप में अपार शक्ति साहस और सामर्थ्य से युक्त प्राणी हैं। आप अपने जीवन में लाभ प्राप्त करने तथा अपनी अभिलाषा की पूर्ति हेतु सुयोग्य एवं सक्षम प्राणी होंगे।

आप अपने रास्ते में आने वाली बाधाएं और बुराईयों को बाहर हटाने में समर्थ हों। आप स्वयं अपनी बुद्धि से अपनी महत्वकांक्षा की पूर्ति के लिए बिना किसी सहयोग के पूरी तन्मयता के साथ समर्पित भाव से एवं विश्वास पूर्वक संपादन कर सकेंगे। भगवान आपको अवश्य ही निर्भयता प्रदान करेंगे। आप अपने सभी कार्यों को संपादन हेतु लंबी दूरी तय करने में भी किसी की सहायता अथवा साथ लेने की परवाह नहीं करेंगे।

वास्तव में आपके जीवन के 25 वें वर्ष से आपका स्वर्णिम काल प्रारंभ होगा। आप बहुत बड़े धन शक्ति और संपन्नता से युक्त हों जाएंगे। आप बहुत उन्नति प्राप्त करके धन, भूमि, भवन, वाहन एवं सेवकों से युक्त हो जाएंगे। आपके आदेश को आपके सेवक अनुमोदन एवं अनुपालन करेंगे। आपके सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने में आपके अधीनस्थ सेवा करने वाले सेवक तथा अनुचर आपके आदेशानुसार आचरण करेंगे।

आप स्वभावतः बहुत बड़े कामुक प्राणी है। यदि आप क्षणिक आनंद के लिए संयोगात्म प्रवृत्ति से किसी भी विपरीति योनि के साथ क्षणिक सुख भोग हेतु जोखिम उठाएंगे तो वह किसी भयंकर रोग का सूचक होगा। उत्तम तो यह होगा कि आप प्रतिबंधित क्षेत्र अर्थात् अपने घर में किसी पसंदीदा या अधिकृत विपरीत योनि के साथ ही शारीरिक सुख-भोग का आनंद प्राप्त करें।

यदि आप अपनी उच्चाकांक्षा को प्राप्त करना चाहते है, तो स्वप्निल विचारों का त्याग करें एवं कठिन परिश्रम करने के प्रति सतर्क रहे तो वास्तव में आप अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु निश्चित रूप से समर्थ हों जाएंगे।

आपके समक्ष जो कुछ भी व्यवधान आ जाए तो आप में यह सामर्थ्य है कि आप अपनी जान्मजात नेतृत्व की क्षमता द्वारा अपने साहस और महत्वाकांक्षित भावना से स्पष्ट कर लेंगे।

यदा-कदा आप क्रोधित होकर अधिक जिद्द पकड़ लेते हैं तथा अपने मित्रों से असंतुष्ट होकर उनके साथ क्षमतापूर्वक व्यवहार नहीं कर पाते हैं।

आप अपने मित्रों की लंबी सूची के अनुरुप उनसे मिलने-जुलने के कार्यक्रम त्याग करने योग्य है। फिर भी आपके कुछ ऐसे मित्र हैं जो पूरे मन से आपको उन्नति के मार्ग में सहयोग प्रदान करते हैं। आप को बार-बार मित्रता के लिए होने वाली यात्राओं का कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करना चाहिए। अर्थात् यात्रा बंद कर दें। यात्रा क्रम में आप देश के विस्तृत और विभिन्न स्थान के व्यक्तियों के साथ मित्रता संबंध स्थापित करेंगे।

आप भली प्रकार अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अतिरिक्त क्रिया-कलाप से कई अन्य द्वेष भी रखेंगे। आप अपनी माता के प्रति पूर्ण आस्थावान रहेंगे तथा आपका दाम्पत्य जीवन अच्छी प्रकार संचालित रहेगा। आप स्थिर चित्त से अपने परिवार के हित में समय लगाएंगे। आपके पारिवारिक सदस्य आपके उत्तेजनात्मक जीवन से दुखी रहेंगे।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाभप्रद एवं प्रमाणित अंक 9 एवं 1 अंक है।

आप अपने जीवन के लिए रंग लाल, पीला और स्वर्णिम रंग को पसंद करेंगे। आपको हर दशा में काले रंग का त्याग करना चाहिए।